VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
03 DEC 2021
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1512)

Name of Candidate	RAVI		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	168117
Center	Delhi	Date	01/12/2021

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. **(a)** Persuasion plays an important role in public administration. Discuss. Also highlight the various elements of effective persuasion.

(150 words) 10

लोक प्रशासन में अनुनय-विनय (या समझाना-बुझाना) महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चर्चा कीजिए। साथ ही, प्रभावी अनुनय-विनय के विभिन्न तत्वों पर भी प्रकाश डालिए।

अभिवृत्ति परिवर्तन के उद्देश्य से किसी व्यक्ति से किया गया संवाद अनुनयन कहलाता है। उदाहरण के लिये पितृसत्तात्मक मानसिकता युक्त व्यक्ति को इस मानसिकता को छोड़ने के लिये तर्क देने की क्रिया।

लोक प्रशासन में भूमिका

① सकारात्मक 'कार्य संस्कृति' के निर्माण हेतु –
• अधीनस्थों को समझाकर यथा-स्थितिवाद छोड़ने को कहना।

② विवाद समाधान हेतु :- प्रशासन-जनता या प्रशासन के आपसी कर्मचारियों के विवाद समाधानार्थ।

③ आपातकालीन समय → आपदा, दंगे, आंदोलन } → 'शांति' हेतु अनुनयन करना।

④ समाज-सुधार में :- कुप्रथाओं को हटाने में।
→ अभिवृत्ति प्रबंधन।
→ सहिष्णुता वर्धन में।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) कठिन निर्णय लेने हेतु 'जनमत निर्माण' हेतु।

अनुनयन के तत्व

पारंपरिक तत्व

- विषय-वस्तु 'क्या' (अभिवृत्ति में क्या परिवर्तन चाहते हैं।
- अनुनयकर्ता 'कौन'
  - प्रभावी हो
  - आकर्षक हो
- किसे 'अनुनयित' करना है

⇓

उपयुक्त तत्वों पर विचार कर सक्रिया करना।

आधुनिक

संज्ञानात्मक तत्व

- P-2 P संवाद करना।
- 'अप्रत्यक्ष कथनों' का प्रयोग करना।
- 'दृश्य-शैली' का प्रयोग करना।
- 'विशेषज्ञों' का प्रयोग
  उदा० - नशा-मुक्ति हेतु स्वास्थ्य विशेषज्ञ का प्रयोग।

अतः 'बात करने से ही बात बनती है', जैसी कहावत को चरितार्थ कर एक जन-सहभागी, रिस्पोंसिव व क्रियाशील प्रशासन के निर्माण में भूमिका निभा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** "Never do anything against the conscience even if the state demands it." In this context, discuss the role of conscience in taking ethical decisions in administration. **(150 words) 10**

"कभी भी अंतर्रात्मा के विरूद्ध कुछ न कीजिए, भले ही राज्य इसकी माँग करे।" इस संदर्भ में, प्रशासन में नैतिक निर्णय लेने में अंतर्रात्मा की भूमिका की विवेचना कीजिए।

हीगल के अनुसार - "अंतरआत्मा वह आंतरिक चेतना होती है जो व्यक्ति को सही या गलत स्थिति की पहचान करने में समर्थ बनाकर नैतिक निर्णय लेने में मदद कर सकती है।"

प्रशासन में भूमिका | ⇒ निम्न स्थितियों में I

① जहाँ 'स्पष्ट' नियम न हो |

② जहाँ नियमों में 'अव्याप्ति' हो

③ जहाँ 'विवेकाधिकार' के आधार पर निर्णय लिया जाये |

④ जहाँ कोई प्राकृतिक आपदा जैसी आपातकालीन स्थिति हो

उपर्युक्त परिस्थितियों में अंतरआत्मा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है | उदाहरण के लिये - किसी सार्वजनिक स्थान पर यदि अत्यन्त गरीब व्यक्ति हों एवं उन्हें हटाना हो तो 'अंतरआत्मा की आवाज' यहाँ महत्वपूर्ण हो जाती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

राज्य की मांग व अंतरआत्मा में टकराव :- 'प्लेटो' ने कहा था कि 'अच्छा निर्णय' ज्ञान पर आधारित होता है, न कि संख्या पर। इस आधार पर -

(i) यदि कानून "संसद" द्वारा पारित हो
(ii) संविधानिक मानकों को पूर्ण करता हो।
(iii) स्वेच्छाचारी न हो।
(iv) बिना विचार - विमर्श के न उठाया गया हो तो उक्त परिस्थिति में राज्य कानून को वरीयता देनी चाहिये।

किंतु 'विधायी निर्वात' की स्थिति में स्पष्ट रूप से अंतरआत्मा को महत्व देना चाहिये व 'संवैधानिक नैतिकता' के आधार पर निर्णय लिये जाने चाहिये।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** Raja Ram Mohan Roy's liberal views on social and religious issues have much relevance in present day India. Discuss. **(150 words) 10**

सामाजिक और धार्मिक मुद्दों पर राजा राम मोहन राय के उदार विचारों की वर्तमान भारत में काफी प्रासंगिकता है। चर्चा कीजिए।

'आधुनिक भारत के पिता' व भारतीय नवजागरण के अग्रदूत राजा राममोहन राय ने अपने समय से आगे सोचते हुए कालजयी विचार रखे जो आज तक हमारे समाज हेतु प्रेरणा स्रोत है।

सामाजिक विचार	प्रासंगिकता
1) जाति-प्रथा में विद्यमान रूढ़िवादिता	- समतामूलक समाज (संविधान अनुच्छेद 14 के अनुरूप)
2) महिला दशा सुधारार्थ शिक्षा पर बल व कुरीतियाँ समाप्त करना।	- लैंगिक न्याय हेतु (Global gender gap report - लैंगिक समता में 100 वर्ष से अधिक लगेंगे)
3) प्राचीन रूढ़ियों, पूर्वाग्रहों से अलग हट वैज्ञानिक व तार्किक शिक्षा की वकालत	- आज भी अंधविश्वासों से पूर्णतः मुक्त नहीं हुए हैं - उदा॰ बुराड़ी की घटना।

धार्मिक विचार	प्रासंगिकता

1) धर्म सुधार की बात - आज भी धार्मिक कुरीतियाँ विद्यमान हैं हालिया 'तीन-तलाक' का मामला।

2) धर्म को विज्ञान की कसौटी पर कसना - आज के आतंकवाद, सम्प्रदायवाद के निवारण हेतु उपयुक्त।

3) सभी धर्मों में सत्य है और सभी धर्म व्यक्तिगत विश्वास की वस्तु का - आज के विश्व को 'सहिष्णुता' की अत्यन्त आवश्यकता है।

अतः मसला चाहे 'सामाजिक न्याय' का हो, धार्मिक सुधार का, या फिर सतत विकास लक्ष्यों का (लक्ष्य -5- लैंगिक समानता), राजा राममोहन के विचार हमारे 'संविधान' से लेकर हमारे सपनों में विद्यमान हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** The moral circle of humanity has been expanding constantly over time. Discuss in this context whether non-human entities should have the same rights as humans beings. **(150 words) 10**

समय के साथ मानवता का नैतिक दायरा निरंतर विस्तृत होता जा रहा है। इस संदर्भ में, चर्चा कीजिए कि क्या गैर-मानव जातियों के मनुष्यों की भांति समान अधिकार होने चाहिए।

नैतिकता वह 'विज्ञान' है जो मनुष्यों को उच्चतर सद्‌गुणों व उच्चतर सत्यों की ओर ले जाती है। उदाहरण प्राचीन समाज में 'हाथ काटना' तत्कालीन न्याय व्यवस्था का सत्य था, मगर 'आज का उच्चतर सत्य' इसे अनैतिक मानता है।

नैतिक दायरे में विकास → उदाहरण ⇓

1. साम समाज से 'सार्वभौमिक नैतिकता' की बात।
2. लचीलापन बढ़ा है।
3. वंचित वर्गों तक विस्तृत हुई है। - 'सबलीकरण दृष्टिकोण'।
4. 'अमानवीय प्रथाएँ' समाप्त हुई है - सती प्रथा
5. अन्तर्राष्ट्रीय व विषय-नैतिकता का विकास।

गैर मानव जातियों के अधिकार का मामला

- अधिकार होने चाहिये क्योंकि-
  (i) पृथ्वी केवल मनुष्यों की नहीं है - (पर्यावरण केन्द्र वाद)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) अन्य प्राणी अधिकार नहीं मांग सकते इसका अर्थ यह नहीं कि उनके अधिकार नहीं है।

(iii) 'अधिकार' देना मानवों के हित में क्योंकि-
→ पर्यावरण संरक्षण होगा।
→ 'जलवायु परिवर्तन' से बचाव होगा।
→ 'संवेदना' जैसे मूल्यों का विकास होगा।

(iv) नैतिकता की परिधि सार्वभौमिक है, केवल मनुष्यों तक नहीं है।

किस प्रकार दिये जायें

पुरानी व्यवस्था		नयी
1. मानव-केन्द्रवाद	→	पर्यावरण केन्द्रवाद
2. उपभोग का मूल्य	—	संयम व संवेदना का मूल्य
3. आर्थिक विकास	—	'समावेशी विकास' हो।

अतः महात्मा गांधी के अहिंसा सिद्धान्तों व आधुनिक बायोक्रेसी (लोकतंत्र में जनता पर यहां संपूर्ण जीव जन्तु हितधारक) के सिद्धान्तों के आधार पर नैतिक प्रतिमान बनाये जाने चाहिये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण के आपके लिए क्या मायने हैं?

(a) "Each individual is capable of transforming his immediate environment by attempting a radical transformation inside him". – J Krishnamurti

(150 words) 10

"प्रत्येक व्यक्ति अपने अंदर आमूल-चूल परिवर्तन का प्रयास कर अपने समीपवर्ती परिवेश को रूपांतरित करने में सक्षम है।"- जे. कृष्णमूर्ति

प्रस्तुत पंक्ति यह बताती ~~कहती~~ है कि किस प्रकार चेतना के स्तर पर परिवर्तन बाह्य जड़ जगत में परिवर्तन को जन्म देते हैं

वस्तुत: यह परिवर्तन किस प्रकार होते हैं -

(i) यदि हम अपने अंदर परिवर्तन करते हैं तो हमारे व्यवहार में परिवर्तन होता है इस व्यवहार से निम्न प्रभाव होते हैं -

(क) क्लासिकल कंडीशनिंग दूसरों की अभिवृत्ति परिवर्तन।

(ख) प्रदर्शनकारी प्रभाव

(ग) समाज में 'डोमिनो प्रभाव' - पास खड़े व्यक्ति को स्वैर-पात्र का प्रयोग करते देख हम भी

केस स्टडी
जोसेफ मर्फी ने अपनी पुस्तक 'द पावर ऑफ सबकॉन्शियस माइंड' में बताया है कि किस प्रकार हमारे अवचेतन मन के स्तर पर अनुनयन द्वारा हम अपने व हमारे वातावरण के व्यवहार में परिवर्तन कर सकते हैं।

कचरे-पात्र का प्रयोग करते हैं।

(ii) बौद्ध धर्म के कार्य-कारण संबंध सिद्धान्त के अनुसार यदि हम अपने अंदर परिवर्तन करेंगे तो इसका प्रभाव हमारे वातावरण पर भी पड़ेगा।

(iii) समाज में परिवर्तन की प्रक्रिया –

आंतरिक परिवर्तन → व्यक्तिगत कार्य → व्यक्तिगत आदत →

सामाजिक आदत → परंपरा/रूढ़ी → कानून व संस्था

आज भारत में आंदोलनों में शांति व अहिंसा का जो मूल्य दिखता है इसका कारण 'महात्मा गांधी' का आंतरिक परिवर्तन ही था।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) "True compassion means not only feeling another's pain but also being moved to help relieve it". - Daniel Goleman (150 words) 10

"सच्ची सहानुभूति का अर्थ न केवल दूसरों की पीड़ा महसूस करना, अपितु उस पीड़ा से राहत दिलाने में सहायता के लिए आगे बढ़ना भी है।" - डैनियल गोलमैन

सहानुभूति का अर्थ है- कि किसी प्राणी में किसी अन्य प्राणी में दूसरे प्राणी, मानव या काल्पनिक चरित्र के मनोभावों को समझने की क्षमता।

गोलमैन महोदय का कथन एक कदम आगे की व्याख्या करता है जिसमें 'क्रिया' या 'व्यवहार पक्ष' को भी महत्ता प्रदान की गई है जिसके निहितार्थ निम्न हैं-

(क) 'पैसिव' के बजाय एक्टिव एप्रोच :- सोचना अच्छा है मगर उस पर कार्य करना और भी अधिक अच्छा है।

(ख) 'संवेदना' के मूल्य को परिणति तक पहुँचाने हेतु क्रिया आवश्यक है।

(ग) 'व्यक्तित्व' का संपूर्ण विकास क्रिया द्वारा - 'मदर टेरेसा' यदि केवल पीड़ा से द्रवित होती रहती, मदद का प्रयास न करती तो आज शायद हम उन्हें

नहीं जानते होते।

(घ) 'वास्तविक न्याय' की प्राप्ति हेतु मदद हेतु आगे जाना महत्वपूर्ण - सड़क पर घायल व्यक्ति के प्रति केवल संवेदना दिखाना पर्याप्त नहीं है अपितु उसे अस्पताल पहुँचाना महत्वपूर्ण है।

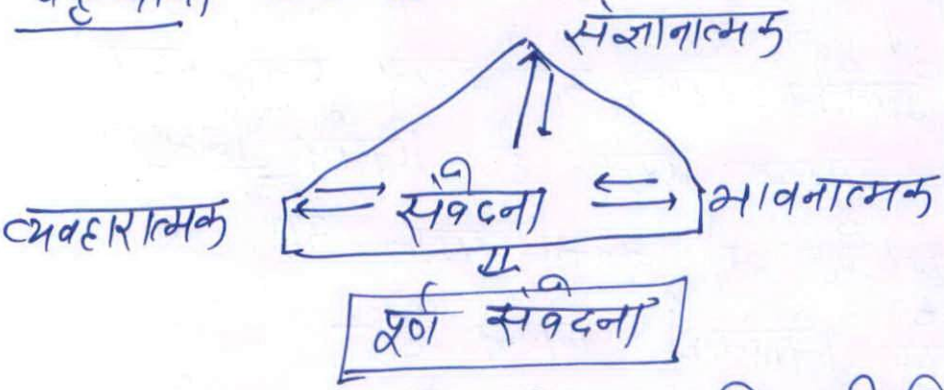

अतः संस्कृत की उक्ति 'उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति, कार्याणि न मनोरथैः' के अनुसार क्रिया या व्यवहार पक्ष संवेदना को वास्तविक अर्थ में चरितार्थ करता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** An important requisite for ensuring probity in governance is absence of corruption. Analyse. **(150 words) 10**

शासन व्यवस्था में ईमानदारी (प्रोबिटी) सुनिश्चित करने के लिए एक आवश्यक तत्व भ्रष्टाचार का अभाव है। विश्लेषण कीजिए।

प्रोबिटी शब्द लैटिन शब्द 'Probus' से बना है जिसका अर्थ है, नैतिक मानकों व आदर्शों के उच्च व्यवस्था का होना।

भ्रष्टाचार व नैतिकता (Probity) में संबंध

भ्रष्टाचार का अभाव — शासन व्यवस्था में प्राबिटी

1) भ्रष्टाचार निम्न मूल्यों के विरुद्ध है - संवेदना, सत्यनिष्ठा, करुणा आदि — व्यवस्था में इन मूल्यों का अभाव रहेगा। ईमानदारी नहीं

2) भ्रष्टाचार की कमी → 'लोकधन का उचित उपयोग' — 'सामाजिक न्याय' व 'वितरणमूलक न्याय' की प्राप्ति।

3) भ्रष्टाचार होन होने पर प्रशासन पर अधिक ध्यान दे पायेंगे। - कार्य संस्कृति की 'दक्षता' व कार्य-क्षमता में वृद्धि।

4) भ्रष्ट व्यक्ति 'लालची' व संवेदनहीन होता है → 'करदाता' के धन का अपव्यय।

किंतु 'भ्रष्टाचार का अभाव' केवल एक प्रभाव है जो क्रमशः आगे एक प्रभाव उत्पन्न करता है। वह प्रभाव है 'शासन में ईमानदारी'। अतः भ्रष्टाचार के अभाव की क्रिया अधिक आवश्यक है -

अभाव हेतु कार्य

- **कानूनी**
  - PCA अधिनियम में संशोधन करना
  - व्हिसल ब्लोअर एक्ट सुधार
- **संस्थागत प्रयास**
  - लोकपाल को मजबूत
  - CVC में सुधार
- **नैतिकता समावेश**
  - आचार संहिता व नैतिक संहिता
- **प्रक्रियात्मक पक्ष**
  - विवेकाधिकार कम करना
- **सामाजिक पक्ष**
  - सोशल ऑडिट
  - सूचना का अधिकार

अतः उपर्युक्त साधनों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि भ्रष्टाचार का अभाव व ईमानदारी एक दूसरे से संबंधित है व दोनों एक दूसरे हेतु पॉजीटिव फीडबैक लूप है

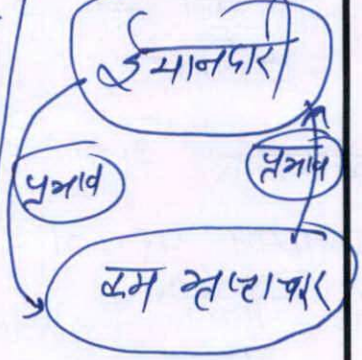

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** The right to information (RTI) and the right to privacy (RTP) complement each other in holding the government accountable to the people, however, in cases of conflict, they can be reconciled keeping public interest in mind. Discuss. **(150 words) 10**

सूचना का अधिकार (RTI) और निजता का अधिकार (RTP) सरकार को लोगों के प्रति जवाबदेह बनाए रखने में एक-दूसरे के पूरक हैं, तथापि, संघर्ष की स्थिति में, जनहित को ध्यान में रखते हुए उनमें सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है। चर्चा कीजिए।

'सूचना का अधिकार' सभी व्यक्तियों को सूचना प्रदान कर पारदर्शिता का मूल्य का द्योतक है एवं 'निजता का अधिकार' व्यक्तियों की निजी सूचनाओं को सरकार द्वारा अनुचित प्रयोग व उजागर न करने से संबंधित है-

पूरकता : जवाबदेही में

1. दोनों मूल अधिकार :- सरकार पर राजनैतिक (अनुच्छेद 19 व 21) नियंत्रण।

2. जहाँ सूचना का अधिकार पारदर्शिता का द्योतक है, वहीं निजता का अधिकार सरकारी मनमानेपन को रोकने का।

RTI

- पारदर्शिता
- जनसहभागिता
  - सरकारी सूचनाओं तक पहुँच
  - सवाल उठा सकते हैं
- जवाबदेहिता

RTP

- सरकार व्यक्तिगत सूचनाओं की संग्राहक
  - दुरुपयोग न हो
  - निजी जीवन में दखल न हो
  - निगरानी राज्य के विरुद्ध जवाबदेही

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ सूचना का अधिकार 'सहभागिता की संस्कृति' में वृद्धि करता है व 'निजता का अधिकार' व्यक्ति की गरिमा व जीवन के अधिकार' में।

टकराव के बिंदु

(i) RTI आवेदन को RTE के आधार पर खारिज करना।

(ii) 'निजी क्षेत्र' (Private space) में किये गये अनैतिक कार्य को उजागर करना - 'स्टिंग ऑपरेशन'

(iii) 'समाज हित' व 'व्यक्तिगत हित' के टकराव में

सामंजस्य के बिंदु

(i) 'व्यापक समाज हित' को प्राथमिकता

(ii) आनुपातिकता के सिद्धान्त के आधार पर निर्णय।

(iii) 'उपयोगितावाद' का प्रयोग करना।

(iv) सूचना के अधिकार की धारा -8 का तर्कपूर्ण प्रयोग करना।

(v) अन्ततः 'आनुपातिकता के सिद्धान्त' के साथ RTI की धारा -4 का पूर्ण प्रयोग करना।

दोनों स्तरों पर पूरकता सामंजस्य में मदद करेगी। व साथ ही प्रशासन में सुधार में मदद करेगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** Explain the ethical issues involved in spending government funds for advertisement campaigns and publicity. **(150 words) 10**

विज्ञापन अभियानों और प्रचार के लिए सरकारी धन खर्च करने में शामिल नैतिक मुद्दों को स्पष्ट कीजिए।

हालिया कई राज्य सरकारों पर कई सर्वेक्षणों की रिपोर्ट में पाया गया कि उन सरकारों ने अपने राजकोष का अच्छा-खास भाग विज्ञापनों पर खर्च किया है।

प्रमुख नैतिक मुद्दे — सरकारी पक्ष

(क) क्या राजनीतिक लाभ के लिये 'करदाता के धन' का ऐसा प्रयोग उचित है।

(ख) विज्ञापनो की उत्पादकता नहीं है जबकि इस पर खर्च अधिक होता है — (अवसर लागत का मुद्दा)

(ग) विज्ञापनों में निहित 'सामाजिकता' का मुद्दा
- पूर्ण व्याख्या नहीं
- पूर्ण आँकड़े नहीं
- T&C* जैसे कथन।

जनता पक्ष → (क) जनता की 'अभिवृत्ति' पर प्रभाव - प्रदर्शनकारी प्रभाव।

(ख) जनता के अनजाने में उस पार्टी के पक्ष में सहमति की भावना ले आती है

(ग) जहाँ टेलीविजन पर देखने या न देखने की स्वतंत्रता होती है वहीं सामान्य गली-परिवेश में नहीं।

(घ) जनता के धन का सदुपयोग का मुद्दा

अन्य मुद्दे (i) लोकतंत्र में सरकार द्वारा अपने प्रभाव में वृद्धि हेतु लोकधन प्रयोग।
(ii) अन्य राजनीतिक पार्टियों के अधिकारों के खिलाफ।

पक्ष में तर्क
(i) जागरूकता सृजन हेतु ज़रूरी।
(ii) लोगों को योजना जानकारी देने हेतु।
(iii) सरकार को हक है कि वह अपनी उपलब्धियाँ बताये।

आगे की राह (i) खर्च पर सीमा तय हो।
(ii) सामाजिक प्रभाव हेतु अकृत्स्न विज्ञापनों को प्रोत्साहित किया जाये। उदाहरण- बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ।
(iii) सरकारी-धन का प्रयोग न हो (पार्टी फंड)
(iv) सार्वजनिक स्थान के प्रयोग व मीडिया समय में सभी दलों को मौका मिले।
(v) प्रामाणिकता की जाँच 'स्वतंत्र एजेंसी' से हो।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** Explaining the concept of political neutrality, discuss its significance in administration. Also, highlight how the Central Civil Services (Conduct) Rules seek to ensure political neutrality in the civil services.

(150 words) 10

राजनीतिक तटस्थता की अवधारणा की व्याख्या करते हुए, प्रशासन में इसके महत्व की विवेचना कीजिए। साथ ही, इस बात पर भी प्रकाश डालिए कि कैसे केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियमावली सिविल सेवाओं में राजनीतिक तटस्थता सुनिश्चित करने का प्रयास करती है।

राजनीतिक तटस्थता से तात्पर्य है कि किसी भी लोकसेवक या व्यक्ति को किसी राजनीतिक दल से संबंधित नहीं होना चाहिये न सभी के प्रति सम्मान का भाव रखना चाहिये।

शामिल भाव
- किसी दल की सदस्यता न रखना।
- किसी दल के पक्ष में प्रचार न करना।
- किसी दल के प्रतीकों का प्रयोग न करना।
- यदि विचारधारा हो तो भी उजागर न करना।

महत्व (i) संविधान के मूल्यों के प्रति जवाबदेह बनाने में।

(ii) चुनावी राजनीति से 'तटस्थ' रहकर कार्य करने में।

(iii) स्थायी कार्यपालिका हेतु आवश्यक।

(iv) 'अनामता के सिद्धान्त' की रक्षा हेतु।

(v) राजनीतिक सांठगांठ व 'भ्रष्टाचार' को कम करने में - जैसा की 'वोहरा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समिति द्वारा 1993 में उजागर किया गया।

सिविल सेवा नियमावली व राजनीतिक तटस्थता

(क) इस नियमावली में सिविल सेवक को-

- राजनीतिक दल संबद्धता पर रोक है।
- मतदान किसे किया- उजागर करने पर रोक।
- विचारधारा उजागर करने पर रोक।

(ख) नियमावली उन्हें केवल 'संविधान के प्रति प्रतिबद्ध' होने का प्रावधान करती है।

(ग) किसी दल को चंदा देने पर रोक है।

(घ) सभी दलों के प्रति सम्मान भाव रखना।

अतः उपर्युक्त प्रावधान इस मूल्य को सुनिश्चित करते हैं। फिर भी, राजनीतिक दबाव व सांठगांठ के उदाहरण मिलते हैं।

सेवकों का निश्चित कार्यकाल, स्थायी आयोग (स्थानान्तरण व अनुशासनात्मक कार्यवाही) आदि समय की मांग है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (a) In light of the recurring issues, there is a constant need to search for better ethical frameworks and models of corporate governance. Discuss with adequate examples and evidence in support of your arguments.

(150 words) 10

आवर्ती मुद्दों के आलोक में, कॉर्पोरेट शासन के बेहतर नैतिक ढांचे और मॉडलों की खोज करने की निरंतर आवश्यकता है। अपने तर्कों के समर्थन में यथोचित उदाहरणों और साक्ष्यों के साथ विवेचना कीजिए।

कॉर्पोरेट शासन से तात्पर्य है कि कोई भी कंपनी ट्रिपल बॉटमलाइन के सिद्धान्तों द्वारा शासित हो।

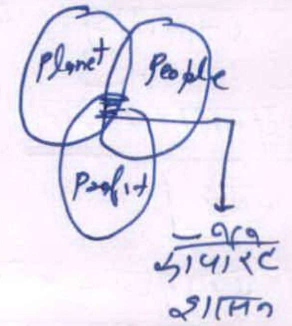

हालिया मुद्दे

(i) केवल 'लाभ' हेतु शासन करना - उदा० डिजीटल कंपनियों द्वारा 'प्राइवेसी हनन' का मामला।

(ii) करवंचन के मुद्दे - (ट्रांसफर प्राइसिंग व BEPS के मुद्दे) - फ्रांस द्वारा गाफा (GAFA Tax) कर आरोपण।

(iii) संसाधनों का क्षय व जलवायु परिवर्तन :- अडानी माइंस का ऑस्ट्रेलिया में विरोध।

(iv) 'सामाजिक उत्तरदायित्व' को न निभाना

(v) घोटाले - सत्यम घोटाला आदि।

नये मॉडलों व नैतिक ढाँचे की खोज

उपर्युक्त मुद्दों व बढ़ती असमानता के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आलोक में नये मॉडल व ढांचे निम्न हो सकते हैं-

(i) महात्मा गांधी का 'ट्रस्टीशिप मॉडल')

(ii) हितधारक पूंजीवाद का मॉडल

(iii) जलवायु केन्द्रवाद के साथ साथ नया 'विकास मॉडल' जो पर्यावरण को केन्द्र में रखे।

(iv) 'सामाजिक न्याय' हेतु बड़ी कंपनियों पर अधिक करारोपण करना।

(v) 'कॉर्पोरेट सोशल रिस्पोंसिबिलिटी' को मूल्य के रूप में स्थापना।

अतः उपर्युक्त सुझाये मुद्दों के समाधान में उपर्युक्त मॉडलों के साथ-साथ उचित 'सरकारी विनियमन' एवं सामाजिक नियंत्रण समय की मांग है (सोशल ऑडिट) ताकि भविष्य के संकटों को टाला जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(b)** Gender inequality begins at home and then gets institutionalised at the societal level. Discuss. **(150 words) 10**

लैंगिक असमानता घर से शुरू होती है और फिर सामाजिक स्तर पर संस्थागत हो जाती है। चर्चा कीजिए।

किसी भी सामाजिक प्रथा की शुरुआत व्यक्तिगत स्तर से होती है जो आगे चलकर रूढ़ि का रूप धारण कर समाज में व्यापक हो जाती है।

लैंगिक असमानता का मूल

पितृसत्तात्मकता :- यह एक मानसिकता है जो पुरुषों को महिलाओं से श्रेष्ठ समझकर महिलाओं को कमतर आँकती है।

↳ इस मानसिकता से युक्त व्यक्ति जहाँ भी रहे असमान व्यवहार करेगा।

घर पर

(i) भूमिका निर्धारण — नारी का कार्य केवल बच्चे जनना व पालन करना।
— रसोई के कार्य।

(ii) पारिवारिक परिवेश :- बच्चे का परिवार में सामाजीकरण
→ महिला के कार्य।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- वित्तीय स्वायत्तता नहीं।
- ~~और~~ घरेलू हिंसा।

कुरीतियाँ :- ─ शिक्षा न देना
└→ स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं

उपर्युक्त सभी तथ्यों से यह असमानता समाज में व्याप्त होती है क्योंकि समाज व्यक्ति का ही वृहत् रूप है।

समाज में प्रभाव

- (i) ग्लास सीलिंग।
- (ii) छेड़-छाड़ व कार्यस्थल पर हिंसा।
- (iii) बलात्कार जैसे कृत्य।
- (iv) वेतन - अंतराल कम होना।

अतः उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य को नारीवादियों के विचार 'Personal is political' की भाँति मानसिकता परिवर्तन के स्तर पर कार्य कर 'बॉटम अप एप्रोच' की भाँति कानूनी, संस्थागत व सामाजिक कदम उठाये जाने चाहिये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(c)** Stakeholder Capitalism is suggested as a way forward in wake of social, economic and environment challenges posed by Shareholder Capitalism. Examine the relevant arguments in this debate. **(150 words) 10**

हितधारक पूँजीवाद को शेयरधारक पूँजीवाद द्वारा उत्पन्न की गई सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों के मद्देनजर आगे की राह के रूप में सुझाया जाता है। इस वाद-विवाद से जुड़े तर्कों का परीक्षण कीजिए।

हितधारक पूंजीवाद से तात्पर्य है कि पूंजीवादी समाज के किसी उद्यम को केवल किसी शेयरधारक के प्रति जवाबदेह न होकर संपूर्ण हितधारकों के प्रति जवाबदेह होना चाहिये।

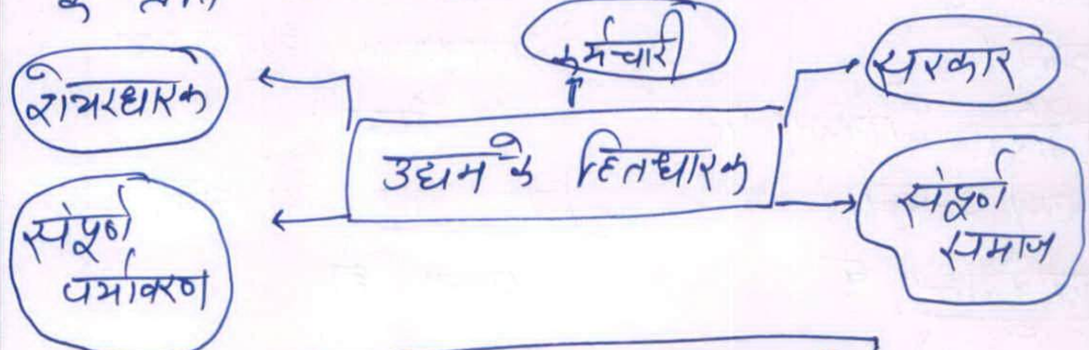

चुनौतियाँ व विवाद के तर्क

शेयरधारक पूंजीवाद	हितधारक पूंजीवाद
• केवल शेयरधारक के लाभ में विश्वास	• समस्त हितधारकों को लाभ
• लाभ कमाना 'साध्य'	• शेयरधारक-लाभ
• साधनों से समझौता	• सरकार – कर
- भ्रष्ट प्रक्रियाएँ।	• समाज – जिम्मेदारी उदा० CSR.
	• पर्यावरण दोहन न करें।
	• कर्मचारी – सुविधा, छुट्टी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विद्वानों के अनुसार आज की असमानता व पर्यावरणीय समस्याओं का कारण लाभ की अनियंत्रित भावना व 'सामाजिक निरपेक्षता' ही है।

हितधारक पूंजीवाद की प्रभावशीलता

लाभ
1. समस्त आयामों पर प्रभाव।
2. कॉर्पोरेट नैतिकता पर खरा उतरना।
3. जवाबदेहिता व जिम्मेदारी।

चुनौती
• प्रतिस्पर्द्धा पर प्रभाव
• अनावश्यक अनुपालन बोझ।
- 'विनियमन' को बढ़ा सकता है।

हालांकि चुनौतियाँ विद्यमान हैं पर स्टेक संतुलन के स्तर पर वस्तुनिष्ठ नियमों को बनाकर समाज के विभिन्न स्तरों में सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. Mr. X is a renowned Architect. He receives a contract of Rs. 500 crores to design and lead a building project that would not only be an architectural landmark but also involves engineering challenges the solutions for which would change the industry. The building would house the headquarters of a successful company Fictitious Corp. Its chairman, Mr. Y is renowned for his acumen as well as temper. After spending time on the drawing board, Mr. X comes up with an innovative design which in itself is a masterpiece. His office had to lay out the plan and then coordinate with the engineering firms to execute it to perfection. The building is constructed in record time and is praised for its ingenuity and the experts also look at it as an engineering milestone.

After six months of its construction, Ms. Z, a doctoral student of mathematics, visits the building for her work on structural engineering calculations. She has immense respect for Mr. X's work. However, she finds that her calculations do not satisfy the requirements of structural integrity for which the building has been widely hailed. She realizes that the building's structure has a deficiency based on the bolted beams used for structural support; this was inadequate if the impact of vertical winds on the building is taken into account. It not only created a threat for the building and its occupants but also the buildings and people nearby.

Mr. X is informed of these calculations by the student and her supervisor. However, Mr. X, meticulous as he is, has confidence on his work and detailed design. He looks at the issue seriously and spends time on the design. He indeed finds no flaw in his design and also notes that his design entails the use of welded rather than bolted beams. At the time he is negotiating the construction of another building where the issue of welded versus bolted metal beams is a sticking point. Mr. X. prefers welded beams as they are twice as strong as the requirements are. However, the engineering firm responsible for actual construction job and procuring the steel beams points out that double bolted beams are strong enough to meet the requirement, are cost effective and also fulfill the building code requirements. After the meeting Mr. X visits the Fictitious Corp building, and to his horror he realizes that bolted rather than welded beams have been used in the construction of the building. He asks for the design that his office has used after final approval. He notices that indeed the final designs show the use of bolted beams. These beams are classified as trusses which do meet the regulatory requirements but not the structural capacity as envisaged by Mr. X initially. He further enquires and is told that the engineering firm responsible for construction work had also given similar arguments about the sufficiency, cost effectiveness and regulatory

compliance of the bolted beams, which were accepted, and final design was passed by the buildings department. Mr. X goes into isolation and looks at the final building blueprint and compares it with the original. He quickly identifies the repercussions; the city faces a strong cyclone once in 16 years on an average. If such a cyclone was to hit, the building would sway and may collapse on the nearby buildings. He visits the building in the night again and realizes that a relatively small intervention on the 30th floor would resolve the issue. However, this would mean approaching the Fictitious Corp leadership and new construction approvals from the buildings department. It entails an almost certain risk of litigation and his license for practicing structural engineering being revoked.

(a) Identify the most pressing issues? Which ones would you address on priority?

(b) What would be your advice to Mr. X and Mr. Y.? Also, sufficiently clarify the reasons for such an advice. **(20)**

श्री X एक प्रसिद्ध वास्तुकार हैं। उन्हें एक भवन परियोजना को अभिकल्पित (डिजाइन) करने और उस कार्य पर आगे बढ़ने के लिए 500 करोड़ रुपये का एक अनुबंध प्राप्त हुआ है, जो न केवल वास्तुकला की दृष्टि से एक मील का पत्थर सिद्ध होगा, अपितु उसमें अभियांत्रिकी संबंधी चुनौतियाँ भी शामिल हैं, जिसका समाधान इस उद्योग की रूपरेखा को बदलकर रख देगा। यह भवन एक सफल कंपनी फिक्शियस कॉर्प का मुख्यालय बनेगा। इसके अध्यक्ष श्री Y अपनी कुशाग्रता के साथ-साथ गुस्से के लिए भी प्रसिद्ध हैं। ड्राइंग बोर्ड पर कुछ समय बिताने के बाद, श्री X को एक अभिनव डिजाइन सूझती है जो अपने आप में एक उत्कृष्ट कार्य है। उनके कार्यालय को योजना निर्माण और फिर इंजीनियरिंग फर्मों के साथ समन्वय करना था ताकि इसे पूर्णता तक निष्पादित किया जा सके। भवन का रिकॉर्ड समय में निर्माण किया जाता है और उसकी सरलता के लिए उसकी प्रशंसा की जाती है तथा विशेषज्ञ भी इसे इंजीनियरिंग सबंधी एक उपलब्धि के रूप में देखते हैं।

इसके निर्माण के छह महीने बाद, गणित में डॉक्टरेट करने वाली एक छात्रा सुश्री Z संरचनात्मक इंजीनियरिंग गणना पर अपने काम के लिए इस भवन का दौरा करती हैं। उनके मन में श्री X के काम के प्रति बहुत सम्मान है। हालांकि, वह पाती हैं कि उनकी गणना संरचनात्मक अखंडता की आवश्यकताओं को पूरा नहीं करती है जिसके लिए भवन की व्यापक रूप से प्रशंसा की जाती है। वह अनुभव करती हैं कि भवन की संरचना में कमी है जो संरचनात्मक सहारे के लिए प्रयुक्त बोल्टयुक्त बीम पर आधारित है; यदि भवन पर ऊर्ध्वाधर पवनों के प्रभाव को ध्यान में रखा जाए तो यह अपर्याप्त है। यह न केवल भवन और उसमें रहने वालों के लिए खतरा पैदा करता है बल्कि आसपास के भवनों और उनमें रहने वाले लोगों के लिए भी खतरा पैदा करता है।

छात्रा और उसके पर्यवेक्षक द्वारा श्री X को इन गणनाओं के बारे में सूचित किया जाता है। हालांकि, श्री X को अपने काम और विस्तृत डिजाइन पर विश्वास है। फिर भी, वह इस मुद्दे को गंभीरता से देखते हैं और डिजाइन पर पुनर्विचार के लिए पुनः समय देते हैं। वह वास्तव में अपनी डिजाइन में कोई दोष नहीं पाते हैं और यह भी ध्यान देते हैं कि उनके डिजाइन में बोल्टयुक्त बीम के बजाय वेल्डेड बीम का अपरिहार्य उपयोग किया गया है। उस समय वह एक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

और भवन के निर्माण कार्य पर आगे बढ़ रहे थे, जिसमें वेल्डेड बनाम बोल्टयुक्त धातु की बीम का मुद्दा पेंच फंसाए हुए था। श्री X वेल्डेड बीम पसंद करते थे क्योंकि वेल्डेड बीमें आवश्यकता जितनी मजबूत होती हैं। हालांकि, वास्तविक निर्माण कार्य और इस्पात की बीम की खरीद के लिए जिम्मेदार इंजीनियरिंग फर्म कहती है कि डबल बोल्टयुक्त बीमें आवश्यकता पूरी करने के लिए पर्याप्त मजबूत और लागत प्रभावी होती हैं तथा साथ ही भवन-निर्माण संहिता की आवश्यकताओं को भी पूरा करती हैं। बैठक के बाद श्री X फिक्शियस कॉर्प के भवन का दौरा करते हैं और उन्हें अनुभव होता है कि भवन के निर्माण में वेल्डेड के बजाय बोल्टयुक्त बीम का उपयोग किया गया है। श्री X वह डिजाइन माँगते हैं जिसका उनके कार्यालय ने अंतिम अनुमोदन के बाद उपयोग किया था। वह पाते हैं कि वास्तव में अंतिम डिजाइन में भी बोल्टयुक्त बीम का उपयोग हुआ है। इन बीमों को टेक के रूप में वर्गीकृत किया गया था जो विनियामकीय आवश्यकताओं को तो पूरा करती हैं लेकिन संरचनात्मक क्षमता को नहीं जैसा कि शुरू में श्री X द्वारा परिकल्पना की गई थी। वह आगे पूछताछ करते हैं और उन्हें बताया जाता है कि निर्माण कार्य के लिए जिम्मेदार इंजीनियरिंग फर्म ने भी बोल्टयुक्त बीम की पर्याप्तता, लागत प्रभावशीलता और नियामकीय अनुपालन के बारे में भी इसी तरह के तर्क दिए थे, जिन्हें स्वीकार किया गया था तथा भवन विभाग द्वारा अंतिम डिजाइन को पास किया गया था। श्री X एकांत में चले जाते हैं तथा भवन के अंतिम निर्माण ब्लूप्रिंट पर नजर डालते हैं और इसकी मूल डिजाइन के साथ तुलना करते हैं। उन्हें जल्दी ही दूरगामी परिणाम के बारे में पता चल जाता है; शहर को औसतन 16 वर्ष में एक बार प्रबल चक्रवात का सामना करना पड़ता है। अगर भविष्य में इस तरह का चक्रवात भवन से टकराता है तो भवन हिल जाएगा और आसपास के भवनों पर गिर सकता है। वह रात में फिर से भवन का दौरा करते हैं और अनुभव करते हैं कि 30वीं मंजिल पर एक अपेक्षाकृत छोटा सा हस्तक्षेप इस समस्या का समाधान कर देगा। हालांकि, इसका मतलब फिक्शियस कॉर्प के नेतृत्व से संपर्क करना और भवन-निर्माण विभाग से नया निर्माण अनुमोदन प्राप्त करना होगा। यह मुकदमेबाजी का लगभग निश्चित जोखिम अपरिहार्य बनाता है और संरचनात्मक इंजीनियरिंग की प्रैक्टिस करने का उनका लाइसेंस वापस ले लिया जाएगा।

(a) इस प्रकरण में सम्मिलित सर्वाधिक अहम मुद्दों की पहचान कीजिए? आप प्राथमिकता के आधार पर किसे संबोधित करेंगे?

(b) श्री X और श्री Y को आपकी क्या सलाह होगी? साथ ही, पर्याप्त रूप से इस तरह की सलाह के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

व्यावसायिक नैतिकता के मूल्यों से संबंधित यह केस स्टडी में यह वर्णित है कि कई बार कार्य पूरा होने पर यदि उसके परिणाम भयंकर हो सकते हैं तो उस संबंध

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

में व्यक्ति के कर्त्तव्य क्या होने चाहिये।

प्रकरण में शामिल मुद्दे

(क) कार्यालय के डिजाइन में पुनर्निमाण का मुद्दा

(ख) वापिस फिरियस कॉर्प मुख्यालय से संपर्क करना मिस्टर 'y' के गुस्से का कारण बन सकता है

(ग) व्यावसायिक नैतिकता के आधार पर नैतिक मूल्यों - सत्यनिष्ठा, जवाबदेहिता, लोक-समाज के प्रति दायित्व।

(घ) मुकदमेबाजी में फँसने का मुद्दा।

(ङ) अपनी गलती स्वीकारने व सुधार करने का मुद्दा।

उपर्युक्त सभी मुद्दों में सर्वाधिक प्राथमिकता कार्यालय के डिजाइन को परिवर्तित करने की होगी क्योंकि -

(क) 'हनुमानदास खत्री मामले 2001' में सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार किसी व्यवसाय के द्वारा नैतिकता को नुकसान पहुँचाने वाले पर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सख्त कार्यवाही की जानी चाहिये। अतः व्यावसायिक नैतिकता को बचाना जरूरी है।

(ख) 'लोगों की जान बचाने' के लिये ऐसा किया जाना अनिवार्य है जो अन्य किसी भी हित व स्वार्थ से ऊपर है।

सलाह

श्री x को दी जाने वाली सलाह

① मिस्टर Y के संपर्क करना व उन्हें बताना।

② अपनी गलती के लिये माफी मांगते हुए सुधार की बात करना।

③ सुश्री 'Z' की विशेषज्ञता को लेते हुए नये डिजाइन की योजना बनाना।

④ चूँकि अनुबंध राशि में आपको यह कार्य करना था अतः 'मिस्टर Y' को यह बताने के लिये कहना कि उनसे अधिक शुल्क नहीं लिया जायेगा।

⑤ उनका लाइसेंस किसी की भी जान से अधिक महत्वपूर्ण नहीं है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कारण

(क) ऐसा करके उन्हें 'आत्मसंतुष्टि का अनुभव' होगा।

(ख) यदि वे स्वयं ऐसा करेंगे तो-

- सत्यनिष्ठा का मूल्य दिखेगा

- संवेदना का मूल्य दिखेगा।

(ग) कांट के 'सार्वभौमिकता के नियमानुसार' वे भी इस परिस्थिति में स्वयं के साथ वही व्यवहार अपेक्षित करते।

(घ) उन्हें तर्क दूंगा कि हर मनुष्य गलती कर सकता है। बस उसे सुधारने की मानसिकता होनी चाहिये।

मिस्टर 'y' को सलाह

(क) मिस्टर 'x' की बात ध्यान से सुने।

(ख) उन्हें अपनी गलती सुधारने का मौका दें।

(ग) गलती के लिये जुर्माना लगाया जा सकता है।

(घ) भवन में छोटा सुधार भविष्य में मददगार है।

कारण :- ~~चूंकि~~ महात्मा गांधी ने कहा था कि हर अपराधी को अपनी गलती सुधारने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

का एक मौका अवश्य दिया जाना चाहिये।
(ख) यह उनकी कंपनी, उसके कर्मचारियों, कंपनी की ब्रान्ड इमेज व आस-पास के लोगों सहित कार्पोरेट गवर्नेंस के लिये आवश्यक है।

इस प्रकार दोनों स्वरों के साथ दोनों को सलाह दूंगा कि स्वतंत्र विशेषज्ञों की मदद लेकर भवन का पुनर्मूल्यांकन भी करवाया जाये ताकि छोटी त्रुटि भी न रहे।

उपर्युक्त सलाहों से निश्चित रूप से मैं इस विवाद को शांत कर कई जीवन बचाने में सफल रहूँगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. In a recent survey around social and economic indicators, a certain state in the country was found grossly underperforming. The state is marred with the issues of poverty, hunger, social backwardness, lawlessness and underdevelopment. In about seven decades since gaining independence, this state has continued to perform poorly across various indices. In the past, the Chief Minister had set up a fact finding Committee to report on the chief causes of the backwardness of the State. After years of ground research and surveying, it was found that the one of the main causes of the state's backwardness was its huge population that amplified resource scarcity to unimaginable proportions. Taking a clue from the facts presented in the report, the State Cabinet constitutes a panel of policy makers to consider this question of growing population and suggest suitable revisions to the State's Population Policy. The Panel recommends legislating a Population Control Bill that has a contentious provision in the form of 'One Child' norm. You are the Chief of this Panel and the recommendations of the Panel require your approval to be tabled in the Chief Minister's Office.

In this context, answer the following questions:

(a) What are the ethical issues related to population control of a compulsory nature that you would consider before approving or rejecting the recommendation?

(b) What would be your course of action in the aforementioned case? Suggest reasons for the same. **(20)**

सामाजिक और आर्थिक संकेतकों के इर्द-गिर्द एक हालिया सर्वेक्षण में, देश में एक राज्य को बुरी तरह से आशा से कम प्रदर्शन करते हुए पाया गया। यह राज्य गरीबी, हंगर (भुखमरी), सामाजिक पिछड़ेपन, अराजकता और अल्पविकास की समस्याओं से ग्रसित है। स्वतंत्रता मिलने के बाद से करीब सात दशकों में यह राज्य विभिन्न सूचकांकों पर खराब प्रदर्शन करता आ रहा है। अतीत में, इस राज्य के मुख्यमंत्री ने राज्य के पिछड़ेपन के मुख्य कारणों पर रिपोर्ट देने के लिए एक तथ्यान्वेषी समिति का गठन किया था। वर्षों के जमीनी अनुसंधान और सर्वेक्षण के बाद, यह पाया गया कि राज्य के पिछड़ेपन का एक मुख्य कारण इसकी विशाल जनसंख्या है जिसने अकल्पनीय अनुपात में संसाधनों की कमी को बढ़ाया है। रिपोर्ट में प्रस्तुत किए गए तथ्यों से सुझाव लेते हुए, राज्य मंत्रिमंडल ने बढ़ती जनसंख्या के इस प्रश्न पर विचार करने और राज्य की जनसंख्या नीति में उपयुक्त संशोधन का सुझाव देने के लिए नीति-निर्माताओं का एक पैनल गठित किया। पैनल ने जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की अनुशंसा की है जिसमें 'एक बच्चे' के मानदंड के रूप में एक विवादास्पद प्रावधान है। आप इस पैनल के प्रमुख हैं और पैनल की अनुशंसाओं को मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रस्तुत करने के लिए आपके अनुमोदन की आवश्यकता है।

इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) अनिवार्य प्रकृति के जनसंख्या नियंत्रण से संबंधित वे नैतिक मुद्दे क्या हैं जिन पर आप अनुशंसा को अनुमोदित करने या अस्वीकार करने से पहले विचार करेंगे?

(b) उपर्युक्त मामले में आपकी क्या कार्रवाई होगी? इसका कारण बताएँ।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रसिद्ध जनसंख्या विज्ञानी 'माल्थस' के अनुसार - प्रकृति के संसाधन सीमित हैं जबकि मानवीय इच्छाएँ एवं जनसंख्या वृद्धि उस सीमा से अधिक है। अतः उनके अनुसार जनसंख्या नियंत्रण आवश्यक है और यदि यह कार्य हम नहीं करेंगी तो प्रकृति द्वारा किया जायेगा। (आपदा युद्ध आदि के द्वारा)।" हालांकि इस सिद्धान्त को भी पूर्ण सत्य न मानकर इस पर विचार - विमर्श करने में निम्न मुद्दे हैं।

प्रमुख नैतिक मुद्दे

(i) जनसंख्या 'समस्या' है या 'समाधान' - चूंकि मानव संसाधन है अतः इसे समस्या माना जाये या समाधान।

(ii) **स्वतंत्रता का मुद्दा** :- मनुष्य को यह अधिकार होना चाहिये कि उसे कितना प्रजनन करना चाहिये या फिर इस पर भी 'सार्वजनिक हित' में निर्बंधन लगाया जा सकता है।

(iii) **प्राकृतिक नियमों की उपेक्षा** :- चूंकि प्रजनन का अधिकार प्राकृतिक अधिकार है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अतः इस पर प्रतिबंध लगाना कितना युक्ति-संगत है।

(iv) विकास का मुद्दा :- चूंकि संसाधन सीमित है अतः बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण किस प्रकार लगाया जाये।

(v) बढ़ती कुरीतियों संबंधित मुद्दे :- एक बच्चे की नीति भविष्य में गर्भपात जैसी समस्यायें बढ़ा सकती है।

* कार्यवाही का स्वरूप *

① संपूर्ण डाटा व समिति रिपोर्ट पर विचार करना

- राज्य की जनसंख्या दर
- विकास का स्तर
- जनसंख्या ग्राफ में राज्य की स्थिति को आँकना (जनांकीकीय संक्रमण की स्थिति)

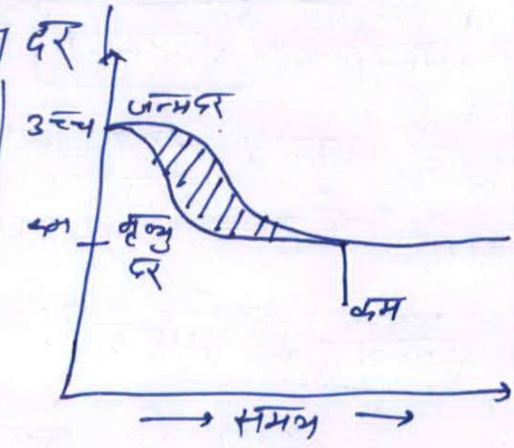

② शिक्षा व स्वास्थ्य के साथ राज्य की कौशल विकास व्यवस्था का अध्ययन करना आवश्यक समझुंगा ताकि मानव संसाधन 'तंत्र' का जायजा ले सकूं।

③ जनसंख्या विशेषज्ञों के साथ प्रबुद्ध व्यक्तियों की भी राय ली जा सकती है।

④ अपने विवेक का अन्ततः प्रयोग कर मैं निम्न निर्णय लूँगा।

I. एक बच्चे की नीति व्यवहार्य नहीं क्योंकि-
- चीन में बढ़ती वृद्धों की समस्या जन्म।
- परिवार का छोटा आकार - एक बच्चे पर अधिक बोझ।
- मनोवैज्ञानिक तनावों में वृद्धि होगी।

II. दो बच्चों की नीति उचित है, लेकिन इसे बाध्यकारी न बनाकर समर्थनकारी बनाना।

बाध्यकारी बनाना

पक्ष	विपक्ष
• जनसंख्या नियंत्रण	• ऊपर से अधिरोपित करना गलत।
• विकास अधिक	• जनता के विवेक पर निर्भर रहना ज़रूरी।
• संसाधन बचेंगे	• प्रतिक्रिया हो सकती है।

'रूसो' ने कहा था कि व्यक्ति जन्म से स्वतंत्र है व उस पर अनावश्यक बंधन नहीं लगाये जाने चाहिये। इसके

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अलावा संपूर्ण भारत में समन्वयकारी नीति से आज यह वृद्धि दर कम हो रही है

- समन्वय के तत्व - विज्ञापन द्वारा प्रचार
  - वैवाहिक जोड़ों की सहायता।
  - मातृ स्वास्थ्य पर बल
  - गर्भ-निरोधक उपायों हेतु जागरूकता।

अन्य स्तरों पर सुझाव
→ शिक्षा
→ स्वास्थ्य
→ कौशल विकास
→ लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण।

अतः जे. एस. मिल के विचारों के अनुसार मैं राज्यगत नियंत्रण के बजाय व्यक्तिगत निर्णय के विवेक को महत्व देकर राज्य की भूमिका जनसंख्या नियंत्रण में समन्वयकारी बनाने पर बल दूंगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. You are working as a Divisional Forest Officer in an area which is home to tigers. Recently, there have been reports of a tiger venturing into agricultural fields and also killing livestock of villagers. Unfortunately, 2-3 villagers have been killed by some wild animals in last few weeks. Villagers claim that the tiger has killed their fellow villagers and request you to protect their lives and property by either relocating or killing the man-eater tiger. They also obstructed investigation of forest officials to ascertain whether it was the work of tiger or some other animals. Your attempts to trap the tiger have not been successful. Concerned over the delay in killing or relocating the tiger, villagers hire a private hunter to kill the tiger on their own and argue that they have a right to defend themselves and their property. In this context, answer the following questions:

(a) Identify the issues involved in this scenario.

(b) What steps would you take as the Divisional Forest Officer to ensure villagers' safety along with protection of tigers? **(20)**

आप एक ऐसे क्षेत्र में मंडल वन अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं जो बाघों का निवास स्थल है। हाल ही में, खेतों में एक बाघ के घुसने और ग्रामीणों के पशुधन को नुकसान पहुँचने की खबरें आई हैं। दुर्भाग्य से, पिछले कुछ हफ्तों में कुछ जंगली जानवरों द्वारा 2-3 ग्रामीणों को मार डाला गया। ग्रामीणों का दावा है कि एक बाघ ने उनके साथी ग्रामीणों को मारा है और आपसे अनुरोध किया गया है कि या तो उस आदमखोर बाघ को स्थानांतरित करके या मार कर उनके जीवन और संपत्ति की रक्षा करें। उन्होंने यह पता लगाने के लिए वन अधिकारियों की जाँच में भी बाधा डाली कि यह बाघ का काम है या कुछ अन्य जानवरों का। बाघ को फंसाने या पकड़ने की आपकी कोशिशें सफल नहीं रही हैं। बाघ को मारने या स्थानांतरित करने में देरी से चिंतित होकर ग्रामीणों ने अपने दम पर बाघ को मारने के लिए एक निजी शिकारी की सेवाएँ ली हैं तथा उनका तर्क है कि उन्हें अपनी और अपनी संपत्ति की सुरक्षा करने का अधिकार है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस परिदृश्य में शामिल मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) बाघों की सुरक्षा के साथ-साथ ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक मंडल वन अधिकारी के रूप में आप क्या कदम उठाएंगे?

मानव-पशु संघर्ष के उदाहरण
पेश करती यह केस स्टडी वर्णित करती है
कि किस प्रकार से इस प्रकार के मुद्दों में
व्यक्तिगत संपत्ति व जीवन के अधिकार व
प्राकृतिक जानवरों के विचरण व आवास के

अधिकार में संघर्ष पैदा होता है।

प्रमुख मुद्दे

बाघ संबंधी

1. जानवरों के विचरण के अधिकार का मुद्दा।
2. जानवरों के भोजन के अधिकार का मुद्दा।
3. उचित जाँच के बिना बाघ को पकड़ना

ग्रामीण संबंधी

1. संपत्ति व सुरक्षा के अधिकार का मुद्दा
2. कानून हाथ में लेने का मुद्दा। (बाघ का शिकार प्रतिबंधित)
3. प्रशासन हाथ में लेना। (निजी शिकारी)

प्रशासनिक मुद्दे

1. उचित व निष्पक्ष जाँच का अभाव।
2. शिकार हेतु प्रतिबंधित जीव को रोकना।
3. मानव पशु संघर्ष को रोकना

मूल्यात्मक मुद्दे

1. सत्यनिष्ठा बनाम संवेदना का मुद्दा
2. पर्यावरणीय मानववाद का मुद्दा,
3. पशु अधिकारों का मुद्दा।

इस मुद्दों व परिस्थिति के परिप्रेक्ष्य में मेरे द्वारा निम्न प्रकार से

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कार्यवाही की जायेगी -

बाघ सुरक्षा के संबंध में

अल्पकालिक

1. बाघ की खोज व बचाव करना।
2. बाघ द्वारा हिंसा की वस्तुनिष्ठ जाँच कराना।
3. निजी शिकारी को रोकना स्थानीय पुलिस की मदद लेकर उसे निबंध करना।
4. बाघ को मारने के बजाय उसे पकड़कर उसके व्यवहार पर अध्ययन कराना।

दीर्घकालिक

1. एक अध्ययन दल के द्वारा
→ मानव-बाघ संघर्ष के कारणों व बचाव-उपायों का विवेचन करना
→ बाघ के आसपास के पर्यावास का संपूर्ण मैप बनाकर उसके अनुरूप कार्यवाही करना।

ग्रामीण सुरक्षा के संबंध में

अल्पकालिक

1. तुरंत एक खोजी दल का गठन कर बाघ को पकड़वाना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. अपनी भावनात्मक बुद्धिमता का प्रयोग कर उन्हें शिकार से रोकना। जिसमें अमुक तर्क दूंगा।

- बाघ भी प्राणी है। शिकार करना उसकी प्रवृत्ति है।
- बाघ शिकार करना कानून के विरुद्ध है।
- 'संवेदना' जैसे मूल्यों का उदाहरण दूंगा।
- उनकी 'सुरक्षा व्यवस्था' मजबूत बनाने का आश्वासन दूंगा।

दीर्घकालीन उपाय :- इस उपागम में संपूर्ण 'मानव-पशु संघर्ष' उपायों को अपनाना होगा।

(क) गांव के बाहर एक बाड़ का निर्माण करना।

(ख) ग्रामीणों को इस समस्या से निपटने का प्रशिक्षण देना।

(ग) यूनेस्को के 'लैंडस्केप एप्रोच' का प्रयोग संघर्ष कम करने व जागरूकता सृजन में।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(घ) कर्नाटक मॉडल :- ग्रामीण परिवेश के बाहर बाड़. के रूप में मधुमक्खी के छत्तों को लगाना । आग या क्रिस्टेलिटिंग ब्लास्ट का प्रयोग ।

और अन्त में एक निष्पक्ष जाँच द्वारा सुनिश्चित करूँगा कि क्या ऐसा बाघ ने किया है और यदि किया है तो ऐसा करने का क्या कारण है।

अतः पर्यावरणीय केन्द्रवाद के अनुरूप मैं मानव व पशु दोनों को बचाकर उपर्युक्त कार्यवाही प्रक्रिया से सामंजस्य निर्माण कर सकता हूँ ।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. You are a District Magistrate of an area which has seen a huge surge in COVID-19 cases during the second wave of pandemic in India. The health infrastructure is already overburdened. Hospitals are overwhelmed, crematoriums and burial sites are regularly running out of space, and covid testing is struggling to meet the demand. Also, the vaccination drive is at the risk of going off-track due to the demand-supply mismatch. During this difficult time, you come to know that there are some people who are engaging in black marketing, hoarding and profiteering by using every trick in the book to cheat, ransom and swindle Covid-19 patients and their kin in the name of scarcity of drugs, oxygen and hospital beds.

Black marketing, hoarding and profiteering are a classic case of market failure, which highlights the significance of state intervention in a crisis situation. How can state effectively play the role of a regulator as well as service provider in such cases of market failure? **20**

आप एक ऐसे क्षेत्र के जिलाधिकारी हैं जिसने भारत में महामारी की दूसरी लहर के दौरान कोविड-19 के मामलों में भारी वृद्धि देखी। स्वास्थ्य अवसंरचना पर पहले से ही अधिक बोझ है। अस्पतालों में भीड़ लगी है, शवदाहगृहों और शवाधान स्थलों में नियमित रूप से जगह की कमी चल रही है तथा कोविड की जाँच संबंधी माँग पूरी नहीं हो पा रही है। साथ ही, माँग-आपूर्ति असंतुलन के कारण टीकाकरण अभियान का पटरी से उतरने का खतरा बना हुआ है। इस कठिन समय में, आपको पता चलता है कि कुछ लोग दवाओं, ऑक्सीजन और अस्पताल में बिस्तर की कमी के नाम पर कोविड-19 के रोगियों एवं उनके परिजनों को ठगने के लिए धोखा देने, धन ऐंठने और अन्य तरीकों से भी जालसाजी करने हेतु कालाबाजारी, जमाखोरी व मुनाफाखोरी में लिप्त हैं।

कालाबाजारी, जमाखोरी व मुनाफाखोरी बाजार की विफलता का एक आदर्श उदाहरण है, जो संकट की स्थिति में राज्य के हस्तक्षेप के महत्व को रेखांकित करता है। बाजार की विफलता के ऐसे मामलों में राज्य प्रभावी ढंग से कैसे विनियामक होने के साथ-साथ सेवा प्रदाता की भी भूमिका निभा सकता है?

वस्तुत! बाजार मॉडल मुनाफे से प्रेरित होता है और जब यही मॉडल अनैतिक मूल्यों से ग्रसित हो जाता है तो 'अंधे मुनाफे' के चक्कर में अमानवीय कृत्यों में भी लिप्त हो सकता है। जमाखोरी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कालाबाजारी आदि इन्हीं कृत्यों का उदाहरण है जिनमें दूसरे के जलते घर पर अपनी रोटियां सेकने का भाव शामिल है।

बाजार की विफलता

मांग ↑↑ → आपूर्ति कम

- → वस्तु मूल्य में वृद्धि
- → वस्तु प्राप्ति हेतु मारकाट

आपूर्ति कम ↓ कुछ व्यक्तियों द्वारा जमा करना व उच्च मूल्यों पर बेचना

→ कालाबाजारी

राज्य की भूमिका :- विनियामक के स्तर पर राज्य निम्न कार्य कर सकता है-

कालाबाजारी रोकने हेतु

(क) पुलिस, प्रशासन, नागरिक समाज के प्रभावी समन्वय से -

→ कालाबाजारी के खिलाफ प्रचार करना।

→ कड़ी कार्यवाही का संदेश देना।

→ छापेमारी, रेड के द्वारा इस

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रकार के कृत्यों को हतोत्साहित करना

- 'आवश्यक वस्तु अधिनियम' में प्रमुख वस्तुओं के समावेशन द्वारा कानूनी अंतराल को पूरा करना।

दंड → • भारी जुर्माना लगाकर ऐसे माफिया को हतोत्साहित करना।
- जमीनी स्तर के नेटवर्क के द्वारा ऐसे लोगों का पता लगाना।

हेल्पलाइन: एक 24×7 हेल्पलाइन जारी करना ताकि कोई भी शिकायत का तुरंत व प्रभावी सामना किया जा सके।

युद्ध स्तर पर कार्य :- एक टीम का गठन जो आवश्यक वस्तुओं की मांग व आपूर्ति का प्रभावी आकलन कर राज्य को सूचना दे।

राज्य की भूमिका : सुविधाप्रदाता

कोरोना महामारी के दौरान महाराष्ट्र में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

द्वितीय लहर में जिस प्रकार का आपूर्ति प्रबंधन देखा गया, वह उत्कृष्ट उदाहरण है। निम्न स्तर पर कार्य

1. पहचान : आवश्यक वस्तुओं के 'स्टॉक' व 'फ्लो' की पहचान।

(2) डेटा : संपूर्ण डेटा डिजीटल प्लेटफॉर्म पर रखना।

(3) नागरिक सहभागिता :- NGO आदि की मदद से एक प्रशासन — नागरिक समिति जिसमें उस क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विशेषज्ञ संपूर्ति आपूर्ति तंत्र की निगरानी करें।

(4) आपात स्थितियों में शक्तियों का प्रयोग कर विभिन्न संयंत्रों पर उद्यमों में 'पर्यवेक्षण अधिकारियों' की नियुक्ति कर उनका उचित संचालन सुनिश्चित करें।

(5) तकनीक :- वस्तुओं के आवागमन वाहनों पर GPS आदि द्वारा ट्रैकिंग सुनिश्चित करना।

(6) हेल्पलाइन का गठन — 24×7

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

⑦ मीडिया प्रबंधन
- भय की भावना के शमन हेतु।
- आपूर्ति साधनों की पारदर्शिता।

⑧ वस्तु आपूर्ति में प्राथमिकता अत्यधिक सीरियस' या ज़रूरतमंद को मिले।

अन्त में प्रभावी जागरूकता वाहनों व विज्ञापनों (TV व Social Media) के द्वारा जनता को संवेदनशील बनाने की व प्रभावी मदद करने की गुहार लगाकर इस समस्या में प्रभावी कार्य किये जा सकते हैं तथा भविष्य में ऐसी घटना न हो इस हेतु उपाय करने चाहिये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You work as a marketing consultant for a multinational company that specializes in various products including nutrient supplements, diet pills etc. The company pays its employees extremely well and provides satisfactory fringe benefits. Your manager has hinted that he will recommend you for overseas company transfer, which will improve your job profile. This has motivated you to work harder and perform better.

The company has to advertise and sell a new weight loss pill 'X'. As per in-company research, it has minimal or no side effects and has no adverse impacts on health, which is its unique selling point (USP). You are given the responsibility of heading the marketing team for advertising pill 'X'. Due to a well-crafted marketing strategy including endorsement by a renowned celebrity, the product has generated considerable public attention. However, while working on an advertisement campaign for the pill, you find out that the in-company research findings of pill 'X' are fabricated. While it indeed has no side-effects, there are no proven benefits of taking the pill as well. It merely acts as a placebo.

When you bring up the issue with your manager, he promptly tells you to keep the facts to yourself. He also indirectly brings up the fact that your performance review date is approaching and hints that you will get transferred overseas if you prove your loyalty to the company.

Based on the given information, address the following:

(a) Identify the stakeholders in this situation.

(b) State the ethical issues that arise in this case.

(c) Discuss your options in this scenario and mention your next step.

(20)

आप पोषक तत्व पूरक आहार, डाइट पिल्स (आहार की गोलियों) आदि सहित विभिन्न उत्पादों में विशेषज्ञता प्राप्त एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के लिए विपणन सलाहकार के रूप में काम करते हैं। कंपनी अपने कर्मचारियों को बहुत अच्छा वेतन देती है और संतोषजनक अतिरिक्त लाभ भी प्रदान करती है। आपके प्रबंधक ने संकेत दिया है कि वह आपकी विदेश में स्थित कंपनी में स्थानांतरण के लिए अनुशंसा करेगा, जिससे आपकी जॉब प्रोफाइल में सुधार होगा। इसने आपको और अधिक मेहनत तथा बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है।

कंपनी को वजन घटाने वाली एक नई गोली 'X' का विज्ञापन और बिक्री करना है। अंत:-कंपनी अनुसंधान के अनुसार, इसका कम से कम या कोई दुष्प्रभाव नहीं है और इसका स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है, जो इसकी विक्रय की खास खूबी है। आपको गोली 'X' का विज्ञापन करने के लिए विपणन टीम का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी जाती है। एक प्रसिद्ध सेलिब्रिटी द्वारा विज्ञापन सहित अच्छी तरह से तैयार की गई विपणन रणनीति के कारण, इस उत्पाद ने जनता का काफी ध्यान आकर्षित किया। हालांकि, इस गोली के लिए एक विज्ञापन अभियान पर काम करते हुए, आपको पता चलता है कि गोली 'X' का अंत:-कंपनी अनुसंधान निष्कर्ष मनगढ़ंत या जाली है। हालांकि, इसका वास्तव में कोई दुष्प्रभाव नहीं है, लेकिन इस गोली का कोई प्रमाणित लाभ भी नहीं है। यह केवल प्रायोगिक औषध के रूप में कार्य करती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जब आप यह मुद्दा अपने प्रबंधक के सामने लाते हैं, तो तुरंत आपको तथ्यों को अपने तक सीमित रखने के लिए कहा जाता है। परोक्ष रूप से यह इंगित किया जाता है कि आपके प्रदर्शन की समीक्षा की तारीख निकट आ रही है और संकेत दिया जाता है कि यदि आप कंपनी के प्रति अपनी निष्ठा सिद्ध करेंगे तो आपको विदेश स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

दी गई जानकारी के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस स्थिति में हितधारकों की पहचान कीजिए।

(b) इस प्रकरण में उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(c) इस परिदृश्य में अपने विकल्पों की विवेचना कीजिए और अपने अगले कदम का उल्लेख कीजिए।

किसी भी उत्पाद निर्माता की क्या - जिम्मेदारियाँ होती है एवं उसके कर्मचारियों के विभिन्न हितधारकों के प्रति क्या कर्तव्य होते हैं। इन सभी के इर्द- गिर्द इस केस अध्ययन को बुना गया है।

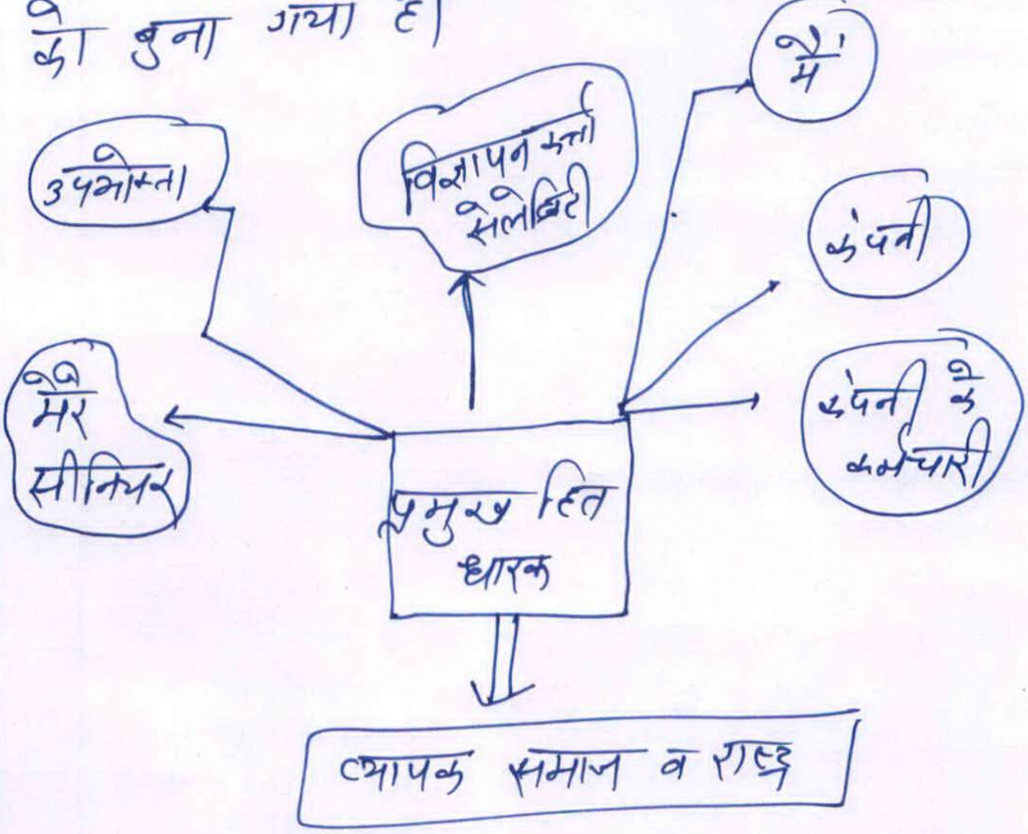

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रमुख नैतिक मुद्दे

① मेरे लिये
- व्यक्तिगत लाभ बनाना सामाजिक (उपभोक्ता) लाभ का मुद्दा।
- प्रमोशन का लाभ लूँ या जनता के स्वास्थ्य का ध्यान दूँ।

② कंपनी के लिये
- लाभ के लिये उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने का मुद्दा।
- 'फर्जी रिसर्च' कर सूचना असंगता व जानने के अधिकार का मुद्दा।

③ कानूनी मुद्दे
- 'उपभोक्ता संरक्षण नियम' के उल्लंघन का मामला।
- किसी सेलिब्रिटी द्वारा गलत विज्ञापन करने का मामला।

④ व्यापक समाज के मुद्दे
- किसी समाज में उपभोक्ता अधिकारों के मुद्दे।
- कंपनी पर 'लोक विश्वास' के मुद्दे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकल्प

(क) प्रबंधन की बात मान लूँ व चुप रहूँ

लाभ
- वेतन वृद्धि
- पदोन्नति

हानि
- अंतरात्मा का संकट।
- केवल अपने हित में किसी के स्वास्थ्य से नहीं खेला जा सकता।

(ख) अपने प्रबंधक को लिखित में शिकायत भेजना व सह-कर्मचारियों को बताना

लाभ
- मेरी जिम्मेदारी बनती है।
- शिकायत करना ज़रूरी

हानि
- व्यापक गठजोड़ को देखते हुए कार्यवाही मुश्किल लगती है।
- प्रमोशन पर प्रभाव

(ग) नवाचारी उपागम - इसके मैं निम्न कार्य करूँगा।

① प्रबंधक को समझाना व दवा का तुरंत उत्पादन रोकना :-

तर्क दूँगा
- यह कंपनी की ब्रांड इमेज के खिलाफ है।
- इस गोपनीयता को हमेशा बरकरार नहीं रखा जा सकता।
- जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ उचित नहीं। अपने सह-कर्मचारियों को लेकर

में व्यापक मुहिम चलाऊँ। ताकि कंपनी यह उत्पादन बंद करे। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो -

(A) शिकायत → लिखित में कंपनी बोर्ड को → उपभोक्ता मंच पर।

(B) ज़रूरत पड़े तो 'मीडिया का सहारा' लेना अंतिम उपाय के रूप में।

तर्क :- मास्लो की 'आवश्यकता के सोपानक्रम' के अनुसार आत्मसम्मान 'उच्चतर ज़रूरत है।

(iii) सत्यनिष्ठा, संवेदना हेतु।

(iv) कन्फ्यूशियस के अनुसार- बुराई देखना बुराई की शुरुआत है।

और अन्ततः जहाँ तक नौकरी का सवाल है। मेरी ईमानदारी व मूल्य स्थायी हैं इन्हें बचाकर प्रमोशन न मिलना भी मेरे लिये उचित होगा, और हो सकता है कि मेरी इस कार्यवाही से मैं लोगों की जान बचा पाऊँ व आगे चलकर कोई और नैतिक कंपनी मुझे रोजगार दे दे।

12. The COVID-19 pandemic has forced universities, schools and other educational institutions around the world to shut down their campuses indefinitely and move their educational activities onto online platforms. These institutions were not prepared for such a transition and their online teaching-learning process evolved gradually. Though students considered online learning advantageous because of flexibility and convenience, there have been reports that the students prefer learning in physical classrooms to online education. The students feel that online education is stressful and affects their health and social life. Moreover, not all students have equal access to, and expertise on, digital technologies. Although these inequalities existed earlier, the COVID-19 pandemic has exposed this digital divide. Considering yourself as the Chairman of a Committee, constituted by the government, to suggest measures to improve the quality and accessibility of online education, answer the following questions:

(a) What are the key ethical issues at stake here?

(b) Highlight the principles and values that will guide your recommendations to the government.

(c) Suggest measures to improve the quality and accessibility of online education in the country. **(20)**

कोविड-19 महामारी ने दुनिया भर के विश्वविद्यालयों, स्कूलों और अन्य शैक्षिक संस्थानों को अनिश्चित काल के लिए अपने परिसरों को बंद करने तथा अपनी शैक्षिक गतिविधियाँ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया है। ये संस्थान इस तरह के संक्रमण के लिए तैयार नहीं थे और उनकी ऑनलाइन शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया धीरे-धीरे विकसित हुई। हालांकि, छात्र लचीलेपन और सुविधा के कारण ऑनलाइन लर्निंग को लाभप्रद मानते हैं, लेकिन इस बात की रिपोर्टें आई हैं कि छात्र ऑनलाइन शिक्षा की तुलना भौतिक कक्षाओं में पढ़ना अधिक पसंद करते हैं। छात्रों को लगता है कि ऑनलाइन शिक्षा तनावपूर्ण है और उनके स्वास्थ्य एवं सामाजिक जीवन को प्रभावित करती है। इसके अलावा, सभी छात्रों की डिजिटल प्रौद्योगिकियों तक समान पहुँच और विशेषज्ञता नहीं है। हालांकि, ये असमानताएं पहले भी मौजूद थीं, लेकिन कोविड-19 महामारी ने इस डिजिटल खाई को उजागर कर दिया है। अपने आप को ऑनलाइन शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच में सुधार लाने के उपाय सुझाने के लिए सरकार द्वारा गठित समिति का अध्यक्ष मानते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) यहाँ दांव पर लगे प्रमुख नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) सरकार को की जाने वाली अपनी अनुशंसाओं का मार्गदर्शन करने वाले सिद्धांतों और मूल्यों पर प्रकाश डालिए।

(c) देश में ऑनलाइन शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच में सुधार लाने के उपायों का सुझाव दीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

महामारी ने हमारे जीवन में जिन ~~सु~~ चीजों में परिवर्तन किया है, उनमें यह क्षेत्र भी महत्वपूर्ण है। शिक्षा, कार्य, निर्णयों - सभी स्तरों पर डिजीटल तकनीकों का प्रयोग किया जा रहा है।

ऑनलाइन शिक्षा में नैतिक मुद्दे

(1) विद्यार्थी पक्ष

(क) सभी विद्यार्थियों के पास तकनीक पहुँच का अभाव -
- समावेशन व समता का मुद्दा।

(ख) तकनीकी जागरूकता का मुद्दा।

(ग) परिवेश व अन्तर्क्रियात्मक मुद्दे - ऑनलाइन वाद - विवाद. पूरक प्रश्न पूछना आदि कठिनाईयों के मुद्दे।

(2) शिक्षक पक्ष

(क) संपूर्ण विद्यार्थियों पर ध्यान न दे पाना।

(ख) प्रबंधन के मुद्दे।

(ग) व्यापक ज्ञान हस्तान्तरण न कर

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

पाने के मुद्दे।

शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे

(क) सुविधा बनाम सामाजीकरण का मुद्दा।

(ख) मानसिक तनाव बनाम शिक्षित करने का मुद्दा।

(ग) भौतिक परिवेश के बिना सहभागिता, पारस्परिकता, लोकतंत्र जैसे मूल्य नहीं सीख पाते।

(n) अनुशंसाओं के सिद्धान्त व मूल्य

(1) समावेशन का सिद्धान्त :-

- महात्मा गांधी के अंत्योदय सिद्धान्त के अनुसार 'कोई भी पीछे न छूटे'।
- समता के आधार पर शिक्षा।

(2) स्वतंत्रता का सिद्धान्त :- संपूर्ण शिक्षा के बजाय चयन की स्वतंत्रता हो कि कितनी स्तर पर एवं कितने घंटे की शिक्षा ऑनलाइन दी जायेगी।

(3) 'डिजीटल सशक्तिकरण' का सिद्धान्त -

जो विद्यार्थी तकनीकी रूप से कम साक्षर है उन्हें साक्षरता दी जाये।

(4) मूल्यों के स्तर पर

- मदद का मूल्य :- धनी द्वारा गरीब की मदद करे (साधन व गैजेट शेयर कर)
- संवेदना का मूल्य :- पिछड़े व वंचित वर्ग भी शिक्षा प्राप्त कर सके।
- साझा करने का मूल्य :- गैजेट, नोट्स आदि।
- सत्यनिष्ठा :- ऑनलाइन शिक्षा में भी फर्जी साधनों का इस्तेमाल न करे।

अन्ततः 'मानसिक तनाव' भी अनुशंसाएं देगा।

(c) ऑनलाइन शिक्षा सुधार

पहुँच

- रतन-वटल समिति के अनुसार सरकार को शिक्षा के साधनों का -

गुणवत्ता

- उचित तकनीक का प्रयोग
- रोचक बनाये जाने

पर ज़ोर	- मोबाइल मुफ्त करना।
- चित्रों - श्रव्य साधनों का प्रयोग।	- दर कम करना। जैसे उपाय करने चाहिये।
- केवल निश्चित समय तक ही क्लास चलाना।	- मोहल्ला क्लास उपागम का विकास - सभी बच्चे एक गैजेट पर क्लास ले सकें।
- शिक्षक प्रशिक्षण देना।	- डिजीटल जागरूकता बढ़ाना।
- छात्रों को प्रश्न - पूछने हेतु प्रोत्साहित करना	- स्टूडेंट डिस्काउंट का प्रचलन - NGO की मदद लेना।

उपर्युक्त उपायों की सहायता से ऑनलाइन शिक्षा को भी सर्वजन-सुलभ, रोचक व गुणवत्तापूर्ण बनाकर अशिक्षा दूर करने के साथ साथ सतत विकास लक्ष्य - 4 की दिशा में बढ़ा जा सकता है